डा0 अरविन्द बिजल्वाण
निदेशक शैक्षणिक

निदेशक शैक्षणिक कार्यालय

(वी0सी0एस0जी0 उत्तराखण्ड औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, भरसार)
वानिकी महाविद्यालय, रानीचौरी, टिहरी गढ़वाल–249199, उत्तराखण्ड, भारत

UUHF/DIR/ACAD/..90../O दिनांक– 24/01/2025

कुलगीत (University Song) लेखन सूचना

विषय– वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली उत्तराखण्ड औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, भरसार हेतु कुलगीत (University Song) लेखन हेतु आवेदन।

वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली उत्तराखण्ड़ औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, भरसार, पौढ़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड़ सरकार का एक राज्य कृषि विश्वविद्यालय है। विश्वविद्यालय का मुख्य उद्देश्य कृषि, औद्यानिकी एवं वानिकी के क्षेत्र में शिक्षा, शोध एवं प्रसार का संचालन करना एवं कृषकों को कृषि से सम्बन्धित तकनीकी जानकारी प्रदान करना है। कुलगीत (University Song) प्रत्येक विश्वविद्यालय का एक मुख्य अवयव होता है जो संक्षिप्त शब्दों में लयबद्वता के साथ विश्वविद्यालय का विभिन्न अवसरों पर परिचय कराता है, इसी कम में वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली उत्तराखण्ड़ औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय हेतु कुलगीत लिखा जाना प्रस्तावित है। उक्त कुलगीत लेखन हेतु कवियों, शिक्षकों, विचारको, छात्रों, संकाय सदस्यों (विश्वविद्यालय के अन्तः एव वाह्य) आदि को कुलगीत लेखन हेतु आमंत्रित किया जाता है। विश्वविद्यालय द्वारा विधित व चयनित कुलगीत को नियमानुसार पारितोषिक/प्रमाण पत्र भी दिया जायेगा। यदि कुछ लेखकों के द्वारा पूर्व में कुलगीत लिखकर जमा किया गया है तो उनसे निवेदन है कि पुनः कुलगीत लेखन हेतु महत्वपूर्ण बिन्दुओं का समावेश कर दोबारा कुलगीत भेजगें। उपरोक्त कुलगीत लेखन को स्वीकार करने/ना करने से संम्बन्धित समस्त अधिकार विश्वविद्यालय के होंगे।

कुलगीत लेखन हेतु महत्वपूर्ण बिन्दु–

- कुलगीत हिन्दी (देवनागरी लिपि) में लिखा होना चाहिये।
- कुलगीत औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय भरसार हेतु लिखा जाना है, अतः कुलगीत में इस तरह के शब्दों का चुनाव होना अपेक्षित है जिसमें कृषि, औद्यानिकी एवं वानिकी का समावेश हो। साथ ही हिमालय, पहाड़, पर्वत, नादियां जैसे गंगा, यमुना, पेड़ पौधे, औषधियों, कृषि शिक्षा, पर्यावरण, हरियाली आदि शब्दों का संकलन करना उचित होगा (विश्वविद्यालय की गतिविधियों की अधिक जानकारी हेतु विश्वविद्यालय की वेबसाइट देंखें–(www.uuhf.ac.in)।
- कुलगीत सारगर्भित, तथ्यपरक एवं मधुर हो एवं कुलगीत लेखन में लयबद्वता, तारतम्यता एवं सार्थकता बनी रहनी चाहिये। अधिक जानकारी हेतु अन्य कृषि विश्वविद्यालयो के कुलगीतो का अध्ययन कर जानकारी ले सकते है।
- कुलगीत में शब्दों की संख्या लगभग 80 से 120 के मध्य या आवश्यकतानुसार हो तो उचित होगा (सामान्यतया 16 से 20 लाइन) ।

कृपया उपरोक्तानुसार लिखित कुलगीत की हार्ड अथवा साफ्ट काफी को दिनांक 15 फरवरी 2025 तक अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में जमा/ई0मेल0 करने की कृपा करेगें। कृपया ई0मेल0– directoracademicsuuhf@gmail.com/arvindbijalwan276@gmail.com परं भेजें।

धन्यवाद,

24/01/2025

निदेशक शैक्षणिक

प्रतिलिपि–निम्नलिखित को इस आशय से कि अपने स्तर से अधिक से अधिक लेखकगणों/विभिन्न विश्वविद्यालयों/सम्बन्धित संस्थानों/छात्रावासों/नोटिस बोर्डो में सूचना चस्पाकर सूचना दें ताकि अधिक से अधिक कुलगीत लेखन प्राप्त हो।

- अधिष्ठाता औद्यानिकी महाविद्यालय भरसार/अधिष्ठाता वानिकी महाविद्यालय रानीचौरी/ अधिष्ठाता पर्वतीय कृषि महाविद्यालय चिरबटिया
- रजिस्ट्रार/समस्त निदेशक/विभागाध्यक्ष/प्रभारी अधिकारी/वित्त नियंत्रक/उप वित्त नियंत्रक/संकाय सदस्य/वैज्ञानिक/समस्त असि0 रजिस्ट्रार वी0सी0एस0जी0 उत्तराखण्ड औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, भरसार।
- प्रभारी कम्प्यूटर/तकनीकी अधिकारी कम्प्यूटर, वि0 वि0 की वेबसाइट मे अपलोड करनें हेतु।
- कुलपति जी के निजी सचिव को माननीय कुलपति महोदय के सादर सूचनार्थ।